कार्यशाला रिपोर्ट

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद्, बल्लभगढ़

कार्यालय में “राजभाषा अधिनियम एवं टिप्पण प्रारूप” विषय पर दिनांक 06 मार्च 2024 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद् बल्लभगढ़ में दिनांक 06 मार्च 2024 को हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा संबंधी नियमों, अधिनियमों एवं राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता आदरणीय डॉ लोक प्रताप सिंह, महानिदेशक महोदय, एन.सी.बी. द्वारा की गई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ देवेंद्र तिवारी, प्रबंधक (राजभाषा) नराकास, एनएचपीसी, फ़रीदाबाद को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया था।

महानिदेशक महोदय ने सर्वप्रथम कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ देवेंद्र तिवारी, प्रबंधक (राजभाषा) का स्वागत किया और कहा कि हिन्दी ही एक ऐसा माध्यम है जिससे हम अपने मन के भावों को सरलता से व्यक्त कर सकते है। केंद्र सरकार के कर्मचारी होने के कारण हम सभी का दायित्व है कि हम अपना दैनिक सरकारी कार्यालयीन कामकाज राजभाषा हिन्दी में करें। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में डॉ संजीव चतुर्वेदी, संयुक्त निदेशक एवं इकाई-प्रभारी, श्री अमित त्रिवेदी, संयुक्त निदेशक, डॉ जी जे नायडू, महाप्रबंधक उपस्थित रहें तथा कार्यशाला में कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मुख्य अतिथि वक्ता डॉ देवेंद्र तिवारी जी ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा हिन्दी में कार्य करना सभी का संवैधानिक दायित्व है तथा सभी को अपना कार्यालयीन कार्य हिंदी भाषा के माध्यम से करने पर जोर देते हुए ऐसे कार्यक्रमों की उपयोगिता पर बल दिया। महानिदेशक महोदय ने सरल, सुबोध एवं आसान शब्दों का प्रयोग करते हुए राजभाषा संबंधी आदेशों का अनुपालन करने के निर्देश दिये।

अतिथि वक्ता डॉ देवेंद्र तिवारी ने महानिदेशक महोदय का धन्यवाद करते हुए **राजभाषा नीति, पत्राचार के विभिन्न रूपों जैसे कार्यालय टिप्पणी, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, वॉइस टाइपिंग के प्रयोग एवं फायदे, अनुवाद ई-टूल 'कंठस्थ 2.0' के प्रयोग तथा राजभाषा नीति के प्रमुख बिन्दुओं पर चर्चा की। कार्यशाला बहुत ही उपयोगी एवं उदेश्यपूर्ण रही और इससे संस्थान को अवश्य लाभ मिलेगा।** कार्यक्रम का समापन अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया।